अपना नालन्दा

अपना शहर, अपना खबर

शनिवार
11 अप्रैल, 2026

वर्ष 2, अंक 67 | नालंदा का नंबर - 1 डिजिटल अखबार

www.apnanalanda.com

जानकी शिशु महाविहार
शिशु स्तर से पंचम स्तर तक
विशेषताएँ :-
• सी. सी. टी. वी. कैमरा की व्यवस्था
• स्मार्ट क्लास
• सभी रूट पर वाहन की व्यवस्था
• कंप्यूटर क्लास

राजगीर खेल अकादमी में वुशू खेल के लिए चयन ट्रायल, 117 खिलाड़ियों ने लिया भाग

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। राजगीर खेल अकादमी में शुक्रवार को वुशू खेल के एकलव्य राज्य आवासीय प्रशिक्षण केंद्र के लिए चयन ट्रायल का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस चयन प्रतियोगिता में बालक एवं बालिका वर्ग के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में कुल 117 खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिनमें 73 बालक और 44 बालिकाएं शामिल थीं।

वरीय उप समाहर्ता सह जिला खेल पदाधिकारी, नालंदा आलोक चंद्र चौधरी ने बताया कि इस चयन ट्रायल का उद्देश्य प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का चयन कर उन्हें एकलव्य राज्य आवासीय प्रशिक्षण केंद्र में बेहतर प्रशिक्षण उपलब्ध कराना है, ताकि वे भविष्य में राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकें।

उन्होंने बताया कि चयन प्रतियोगिता को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए बिहार राज्य खेल प्राधिकरण, पटना से चयनकर्ताओं की प्रतिनियुक्ति की गई थी। चयनकर्ताओं में एनआईएस कोच रवि रावत, ऋषभ कुमार तिवारी और करण कुमार शामिल थे, जिन्होंने खिलाड़ियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया।

चयन प्रतियोगिता के सफल संचालन के लिए राजगीर खेल अकादमी से ईशा मिश्रा और आनंद कुमार को नोडल अधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्त किया गया था। वहीं जिला खेल कार्यालय नालंदा से शारीरिक शिक्षक सूरज कुमार, बिपिन कुमार, बिक्की भारती, ओमपाल कुमार, मनोज कुमार, प्रकाश कुमार, नवीन, कुमारी सरिता सिंहा और रिंकू कुमारी ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस अवसर पर नालंदा जिला वुशू संघ के महासचिव शत्रुघन कुमार तथा संघ के अन्य सहयोगी भी मौजूद रहे और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

रहुई बाजार में अतिक्रमण पर चला बुलडोजर, 20 दुकानों के अवैध ढांचे हटाए गए

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। रहुई बाजार में शुक्रवार को नगर पंचायत प्रशासन ने अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए व्यापक अभियान चलाया। इस दौरान जेसीबी मशीन की मदद से सड़क किनारे और सार्वजनिक स्थानों पर किए गए अवैध कब्जों को हटाया गया। अभियान का नेतृत्व नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी नवीन कुमार ने किया।

अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई थी। जेसीबी मशीन की गर्जना के साथ प्रशासनिक टीम ने खिरौना मोड़ से लेकर बंजरंगी मोड़ तक और बस स्टैंड से यूनियन बैंक तक सड़क के दोनों किनारों पर किए गए अतिक्रमण को हटाया।

कार्रवाई के दौरान दुकानदारों द्वारा सड़क की ओर बढ़ाकर लगाए गए टीन, करकट और अन्य अस्थायी ढांचों को उखाड़कर हटाया गया। प्रशासन की इस कार्रवाई से बाजार क्षेत्र में कुछ देर के लिए अफरातफरी का माहौल भी देखने को मिला, लेकिन बाद में स्थिति सामान्य हो गई।

कार्यपालक पदाधिकारी नवीन कुमार ने बताया कि करीब 20 फुटपाथी दुकानों के बाहर लगे करकट और अन्य अवैध ढांचे हटाए गए हैं। साथ ही सड़क और फुटपाथ पर किए गए अन्य कब्जों को भी खाली कराया गया, ताकि बाजार में लोगों के आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो।स्थानीय लोगों ने प्रशासन की इस कार्रवाई का स्वागत करते हुए कहा कि लंबे समय से बाजार में जाम की समस्या बनी रहती थी, जिससे लोगों को काफी परेशानी होती थी। अब अतिक्रमण हटने से यातायात व्यवस्था बेहतर होने की उम्मीद है।नगर प्रशासन ने स्पष्ट किया कि अतिक्रमण के खिलाफ यह अभियान आगे भी जारी रहेगा और सोमवार को बीच बाजार क्षेत्र में फिर से विशेष अभियान चलाया जाएगा। दुकानदारों को चेतावनी दी गई है कि नोटिस मिलने के बाद भी यदि अतिक्रमण नहीं हटाया गया तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

नाबालिग छात्रा दुष्कर्म मामले में मंत्री संजय पासवान पहुंचे पीड़ित परिवार के घर

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। नालंदा जिले के वेना थाना क्षेत्र में नाबालिग छात्रा के साथ हुए दुष्कर्म की घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। इस संवेदनशील मामले को लेकर बिहार सरकार के गन्ना एवं उद्योग मंत्री संजय पासवान शुक्रवार को पीड़ित परिवार से मिलने उनके घर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने परिवार के सदस्यों से बातचीत कर घटना की पूरी जानकारी ली और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया।

मंत्री संजय पासवान ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय घटना है। उन्होंने कहा कि ऐसे जघन्य अपराध में शामिल आरोपी को कठोर से कठोर सजा मिलनी चाहिए। मंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि दोषी को फांसी की सजा दिलाने के लिए सरकार पूरी मजबूती से कदम उठाएगी। साथ ही उन्होंने कहा कि इस मामले को मुख्यमंत्री के समक्ष भी रखा जाएगा, ताकि पीड़ित परिवार को जल्द न्याय मिल सके।

पीड़ित परिवार से मुलाकात के दौरान मंत्री ने घर में पानी की समस्या को देखते हुए पीएचईडी विभाग के एसडीओ को तुरंत चापाकल लगाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार को अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत मिलने वाला मुआवजा भी जल्द उपलब्ध कराया जाएगा।

मंत्री ने भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है और उन्हें न्याय दिलाने के लिए हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी। इस मौके पर कई जनप्रतिनिधि और स्थानीय नेता भी उपस्थित थे तथा सभी ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

राजद प्रवक्ता बोले, नीतीश कुमार की राजनीतिक विदाई की पटकथा पहले लिखी जा चुकी थी

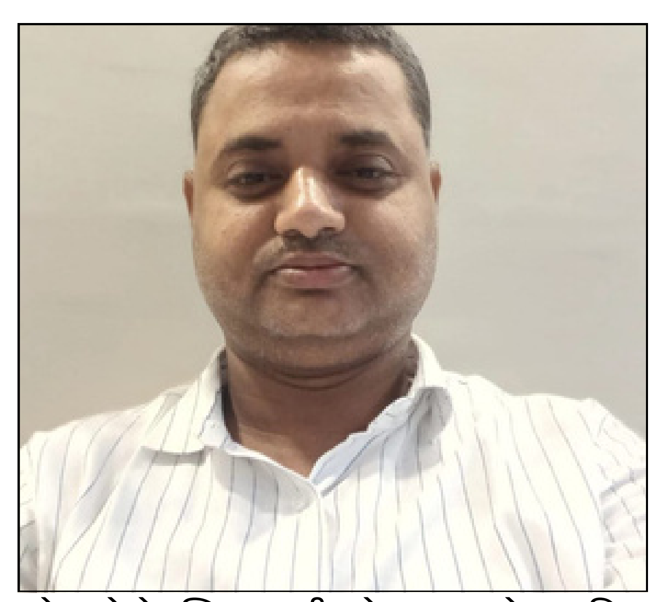

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। राष्ट्रीय जनता दल के जिला प्रवक्ता दीपक कुमार ने एक प्रेस बयान जारी कर कहा कि बिहार की राजनीति में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की विदाई कोई आश्चर्यजनक घटना नहीं है। इसकी पटकथा दो वर्ष पहले ही लिखी जा चुकी थी। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कई बार जनसभाओं और मीडिया के माध्यम से बिहार और देश की जनता को यह चेतावनी दी थी कि भारतीय जनता पार्टी किसी की सगी नहीं होती और अपने राजनीतिक हित के लिए किसी को भी ठग सकती है।

दीपक कुमार ने कहा कि तेजस्वी यादव ने पहले ही उदाहरण देते हुए बताया था कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी, तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता और हरियाणा के ओमप्रकाश चौटाला जैसे कई राजनीतिक दलों और नेताओं को भाजपा ने अपने राजनीतिक हित में इस्तेमाल कर लिया। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव की कही बातें आज सही साबित होती दिखाई दे रही हैं।

राजद प्रवक्ता ने आगे कहा कि पिछले विधानसभा चुनाव में सामाजिक न्याय के वोटों को पाने के लिए एनडीए ने "2025 से 30 फिर से नीतीश" का नारा दिया था, लेकिन अब भाजपा ने अपने राजनीतिक प्रभाव और धनबल के सहारे वही नारा बदलकर "2025 से 30 नीतीश फिनिश" कर दिया है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के राज्यसभा जाने के बाद जनता दल यूनाइटेड के अंदर ही कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। दीपक कुमार ने आरोप लगाया कि नीतीश कुमार का राजनीतिक कार्यकाल कई मामलों में विवादों से घिरा रहा है। चाहे भ्रष्टाचार का सवाल हो या अफसरशाही का मुद्दा, हर मोर्चे पर वे विफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनादेश के अपमान के लिए बिहार की जनता उन्हें हमेशा याद रखेगी।

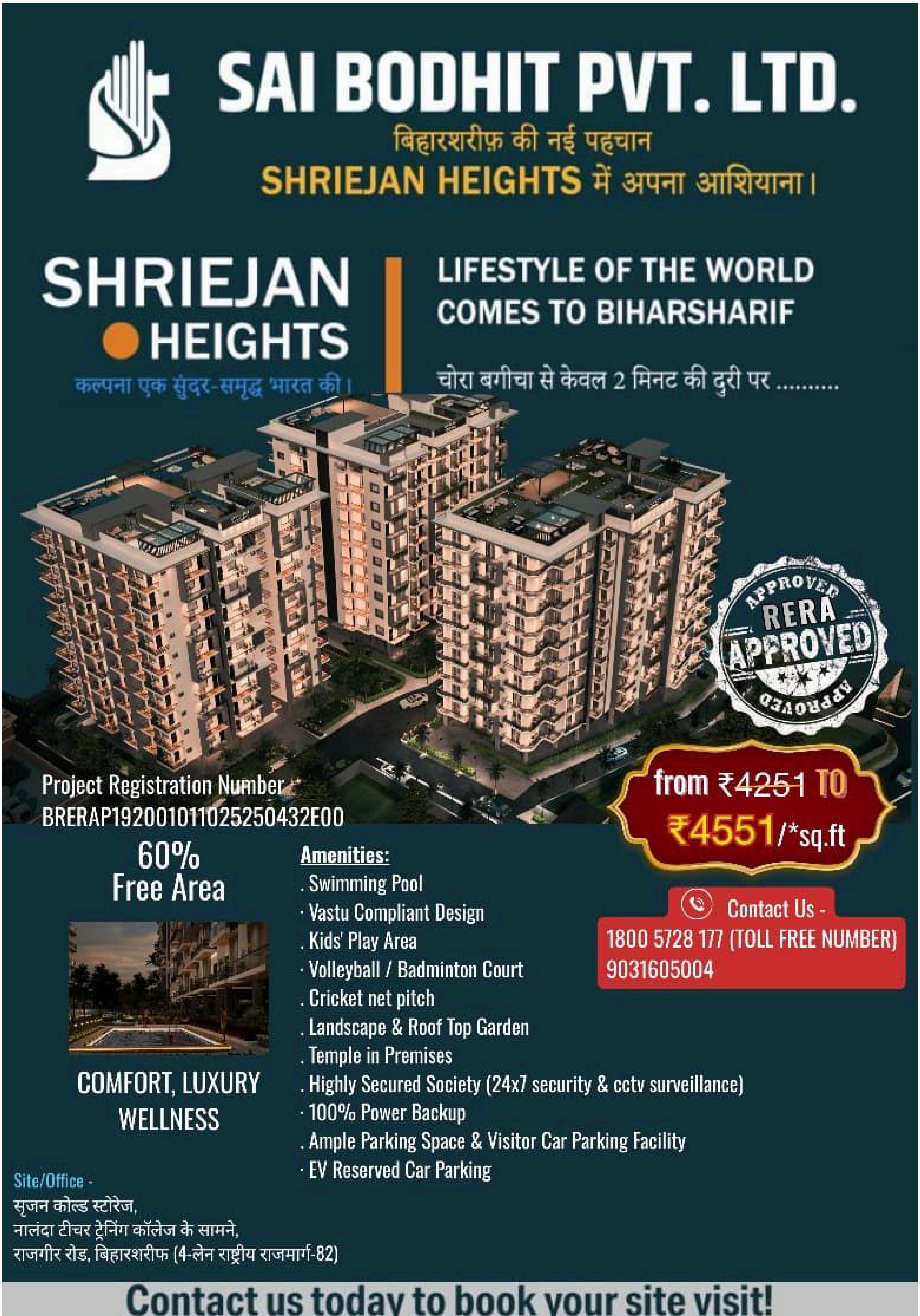
SAI BODHIT PVT. LTD.
बिहारशरीफ़ की नई पहचान
SHRIEJAN HEIGHTS में अपना आशियाना।
SHRIEJAN
HEIGHTS
कल्पना एक सुंदर-समृद्ध भारत की।
LIFESTYLE OF THE WORLD
COMES TO BIHARSHARIF
चोरा बगीचा से केवल 2 मिनट की दुरी पर ....
APPROVED
RERA
APPROVED
APPROVED
Project Registration Number
BRERAP19200101102525O432E00
from ₹4251 TO
₹4551/*sq.ft
60%
Free Area
COMFORT, LUXURY
WELLNESS
Amenities:
. Swimming Pool
· Vastu Compliant Design
. Kids' Play Area
· Volleyball / Badminton Court
. Cricket net pitch
. Landscape & Roof Top Garden
. Temple in Premises
. Highly Secured Society (24x7 security & cctv surveillance)
· 100% Power Backup
. Ample Parking Space & Visitor Car Parking Facility
· EV Reserved Car Parking
Contact Us -
1800 5728 177 (TOLL FREE NUMBER)
9031605004
Site/Office -
सृजन कोल्ड स्टोरेज,
नालंदा टीचर ट्रेनिंग कॉलेज के सामने,
राजगीर रोड, बिहारशरीफ (4-लेन राष्ट्रीय राजमार्ग-82)
Contact us today to book your site visit!

चंडी नगर पंचायत में 18 अप्रैल को सशक्त स्थायी समिति का चुनाव

चितरंजन कुमार

चंडी (अपना नालंदा)। चंडी नगर पंचायत में सशक्त स्थायी समिति के गठन के लिए 18 अप्रैल को चुनाव कराया जाएगा। प्रशासन ने चुनाव को शांतिपूर्ण और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं। कार्यपालक पदाधिकारी डॉ. अनूपा कुमारी ने शुक्रवार शाम जानकारी देते हुए बताया कि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार चुनाव की प्रक्रिया चरणबद्ध तरीके से संपन्न कराई जाएगी।

उन्होंने बताया कि 18 अप्रैल को सुबह 8 बजे से 11 बजे तक उम्मीदवारों द्वारा नामांकन पत्र दाखिल किए जाएंगे। इसके बाद दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक मतदान की प्रक्रिया होगी। मतदान समाप्त होने के तुरंत बाद दोपहर 3 बजे से 4 बजे तक मतगणना की जाएगी और परिणाम घोषित किए जाएंगे। वहीं शाम 4 बजे से 5 बजे के बीच निर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई जाएगी। चंडी नगर पंचायत में सशक्त स्थायी समिति के लिए कुल तीन सदस्यों का चुनाव होना है। चुनाव को निष्पक्ष और सुचारू रूप से कराने के लिए जिला प्रशासन द्वारा आवश्यक पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति कर दी गई है। चुनाव की तिथि घोषित होने के साथ ही नगर पंचायत की राजनीति भी गरमा गई है। इस बार बदली हुई चुनावी व्यवस्था के कारण मुख्य पार्षद की भूमिका सीमित हो गई है। पहले मुख्य पार्षद अपने स्तर से समिति के सदस्यों का चयन करते थे, लेकिन अब पार्षदों के मतदान के माध्यम से तीन सदस्यों का चयन किया जाएगा।

नई व्यवस्था का उद्देश्य नगर निकाय में पारदर्शिता और लोकतांत्रिक भागीदारी को बढ़ावा देना है। सशक्त स्थायी समिति को नगर पंचायत की 'मिनी कैबिनेट' माना जाता है, जो विकास योजनाओं की स्वीकृति, वित्तीय फैसलों और प्रशासनिक दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

www.apnanalanda.com
अपना नालन्दा
अपना शहर, अपना खबर
नालन्दा का नंबर 1 अखबार

अपना नालन्दा में विज्ञापन देकर
अपने व्यवसाय को दे नई पहचान

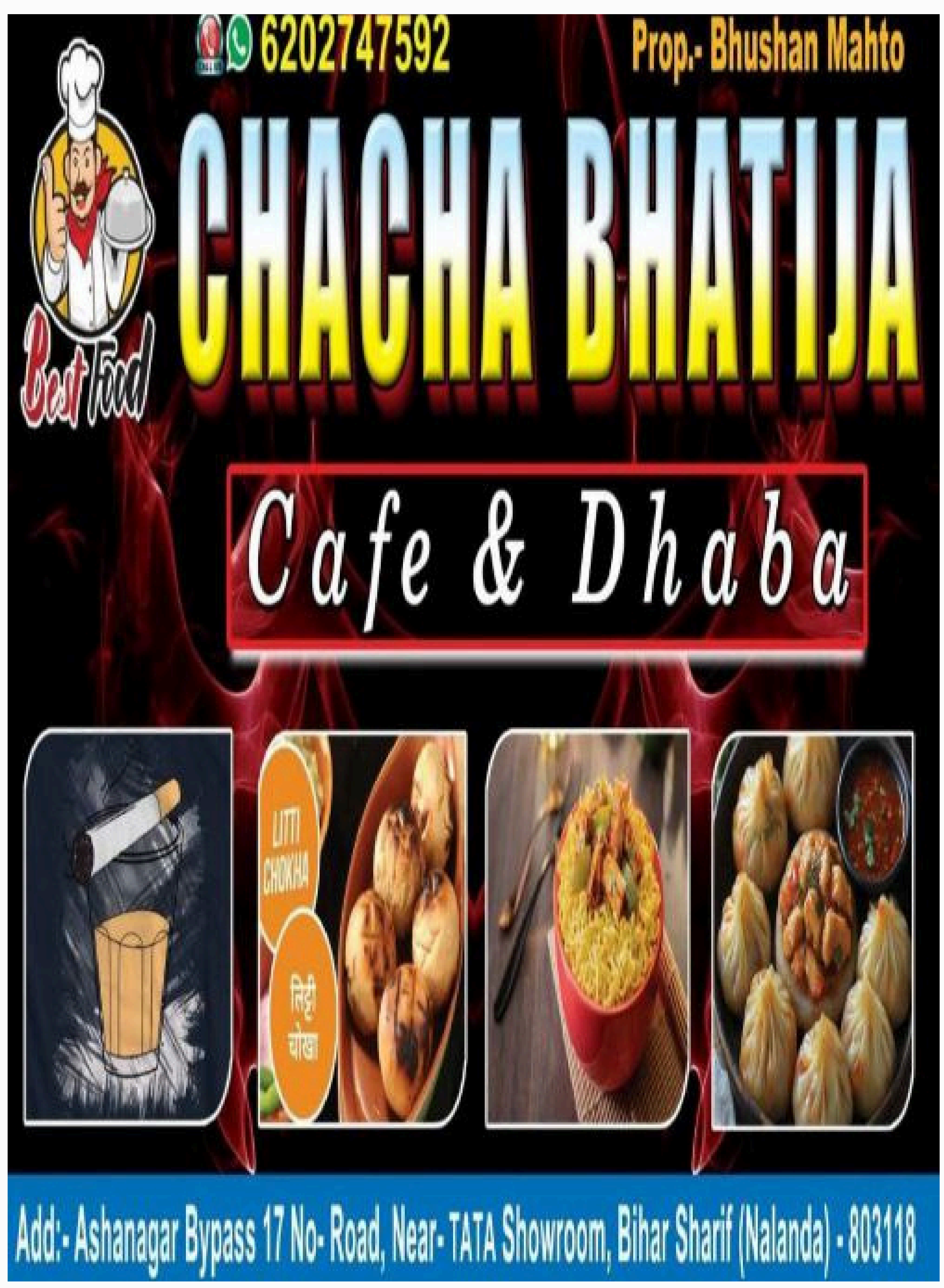

Kalope
HOMES
All-in-One Home Solution
Luxury Interior with RealPlast UPVC
Waterproof | Termite Proof | Fire Retardant | Zero Maintenance
Material Partner: REAL PLAST
RealPlast UPVC is a next-generation interior material
that combines strength, safety, and luxury design.
Modular Kitchen
Cabinets, shutters, drawers
TV Unit & Wall Panels
Modern design, storage
Wardrobes & Closets
Sliding, swing, loft, drawers
Bathroom Vanities
Waterproof & hygienic
+91 74887 06578
www.kalopehomes.com
Patna, Bihar

चंडी के लोदीपुर गांव में बंद घर में चोरी, लाखों के जेवर नकदी गायब

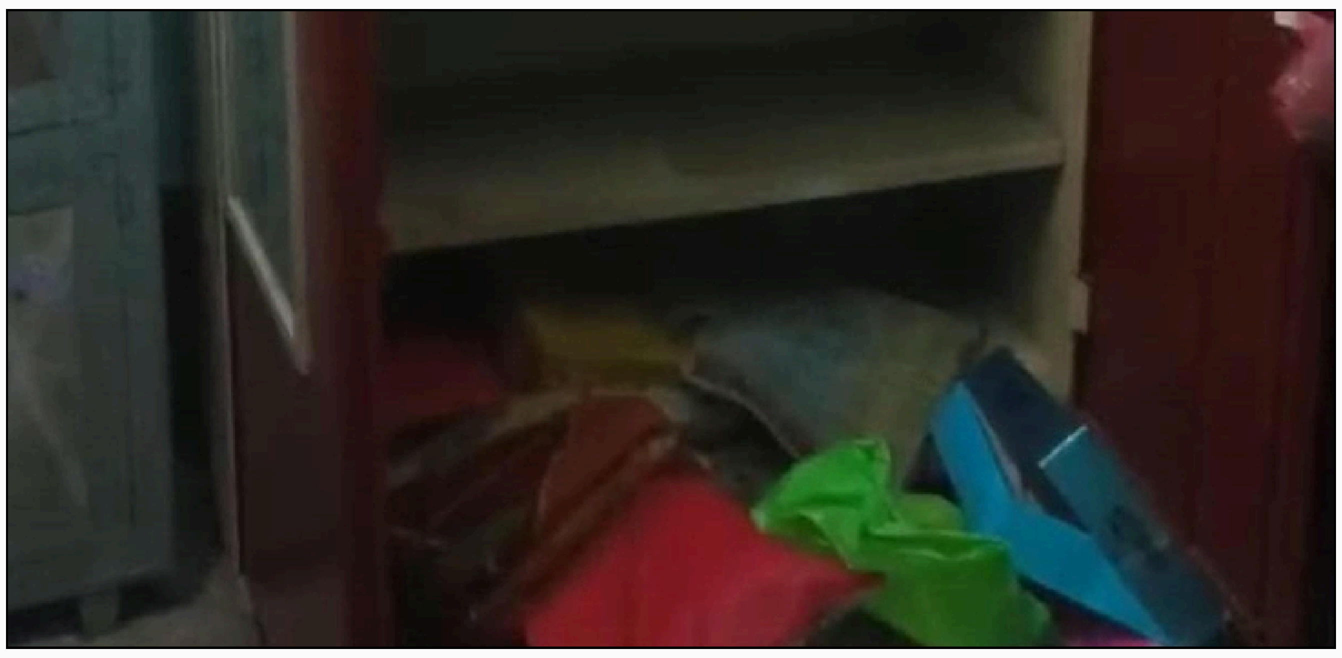

चितरंजन कुमार

चंडी (अपना नालंदा)। चंडी थाना क्षेत्र के लोदीपुर गांव में चोरों ने एक बंद घर को निशाना बनाकर लाखों रुपये की संपत्ति चोरी कर ली। घटना का खुलासा शुक्रवार की सुबह उस समय हुआ जब घर के मालिक रविन्द्र प्रसाद अपने परिवार के साथ हिलसा से वापस गांव लौटे। घर पहुंचने पर उन्होंने देखा कि घर के ग्रिल और कमरों के ताले टूटे पड़े हैं तथा अंदर का सामान बिखरा हुआ है।

पीड़ित रविन्द्र प्रसाद ने बताया कि वे पिछले कुछ दिनों से अपने परिवार के साथ हिलसा में रह रहे थे और घर में ताला बंद था। इसी दौरान उनकी भाभी ने फोन कर सूचना दी कि घर के ग्रिल का ताला टूटा हुआ है। सूचना मिलने के बाद वे तुरंत शुक्रवार सुबह गांव पहुंचे और स्थिति देख दंग रह गए।

घर के अंदर चोरों ने अलमारी और पलंग के लॉक तोड़कर उसमें रखे कीमती सामान चोरी कर लिए। चोरी गए सामानों में सोने का मंगलसूत्र, कान की बाली, झुमका, चांदी का पायल, मछली, दो गिलास और कटोरा सहित कई कीमती बर्तन शामिल हैं। पीड़ित के अनुसार चोरी हुए सामानों की कुल कीमत लगभग पांच लाख दस हजार रुपये बताई जा रही है।

रविन्द्र प्रसाद ने बताया कि करीब छह महीने पहले भी उनके घर में लाखों रुपये की चोरी हो चुकी है। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं से इलाके के लोगों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ गई है।

घटना की सूचना चंडी थाना पुलिस को दे दी गई है। पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई है तथा आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही चोरों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी।

बिहारशरीफ में पूर्व मंत्री डॉ. सुनील कुमार ने 45 लाख की योजनाओं का शिलान्यास किया

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। बिहारशरीफ विधानसभा क्षेत्र के विधायक सह पूर्व मंत्री डॉ. सुनील कुमार ने शुक्रवार को लगभग 45 लाख 15 हजार रुपये की लागत से विभिन्न विकास योजनाओं का शिलान्यास किया। यह कार्य मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना के अंतर्गत कराया जा रहा है, जिससे शहर के कई वार्डों में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत किया जाएगा।

इस दौरान वार्ड संख्या-03 रांची रोड में 32 लाख 64 हजार रुपये की लागत से चमेली वर्मा के मकान से प्रोफेसर मुनेश्वर प्रसाद के मकान होते हुए विनोद प्रसाद के मकान के पास स्थित बड़े नाले के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। इसके अलावा वार्ड संख्या-06 आशानगर में भोली जी के मकान से भागवत प्रसाद के मकान होते हुए चितावन बाबा तक 12 लाख 51 हजार रुपये की लागत से पीसीसी सड़क निर्माण कार्य का भी शुभारंभ किया गया।

शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान डॉ. सुनील कुमार ने कहा कि इन विकास कार्यों से स्थानीय लोगों को काफी सुविधा मिलेगी। उन्होंने बताया कि सड़क और नाला निर्माण से क्षेत्र में जल निकासी की समस्या दूर होगी और लोगों का आवागमन भी आसान होगा। साथ ही किसानों को अपने कृषि उत्पाद बाजार तक पहुंचाने में सुविधा मिलेगी तथा बच्चों को स्कूल और कॉलेज आने-जाने में सुरक्षित मार्ग उपलब्ध होगा।

उन्होंने कहा कि वार्ड संख्या-03 के लोगों को लंबे समय से नाला निर्माण का इंतजार था, जिसे आज पूरा किया जा रहा है। यह कार्य क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।मौके पर स्थानीय लोगों ने विधायक का भव्य स्वागत किया। इस पर डॉ. सुनील कुमार ने शहरवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनता के सहयोग से क्षेत्र के विकास कार्य लगातार आगे बढ़ते रहेंगे।

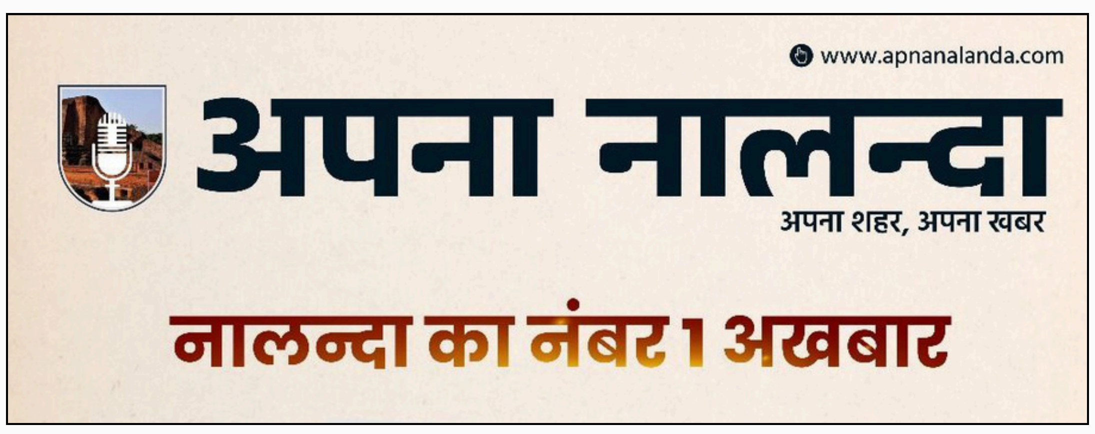

सरस्वती विद्या मंदिर राजगीर में विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण, 400 बच्चों की जांच

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। पूज्य तपस्वी श्री जगजीवन जी महाराज सरस्वती विद्या मंदिर, राजगीर में शुक्रवार को विद्यालय के भैया-बहनों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों के दांतों की विशेष जांच की गई। जांच कार्य कुमार डेंटल केयर के चिकित्सक डॉ. कुमार विश्वजीत द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. कुमार विश्वजीत ने विद्यार्थियों के दांतों की बारीकी से जांच की और उन्हें दांतों की स्वच्छता बनाए रखने के लिए आवश्यक सलाह दी। उन्होंने बच्चों को सही तरीके से ब्रश करने की विधि, नियमित दांतों की सफाई और संतुलित आहार के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही उन्होंने दंत रोगों से बचाव के उपाय भी बताए, ताकि बच्चे स्वस्थ और स्वच्छ जीवनशैली अपनाएं।

स्वास्थ्य परीक्षण कार्यक्रम में कक्षा नर्सरी से लेकर कक्षा पंचम तक के लगभग 400 विद्यार्थियों का दंत परीक्षण किया गया। इस दौरान चिकित्सकों ने बच्चों को दांतों की देखभाल के प्रति जागरूक रहने और नियमित रूप से दांतों की जांच कराने की सलाह दी।

कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. शैलेंद्र उपाध्याय और अरविंद भारती का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। विद्यालय प्रशासन ने बताया कि इस तरह के स्वास्थ्य परीक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना और समय रहते किसी भी समस्या का समाधान सुनिश्चित करना है।

कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार की ओर से सभी चिकित्सकों और सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया तथा विद्यार्थियों को स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति सजग रहने का संदेश दिया गया।

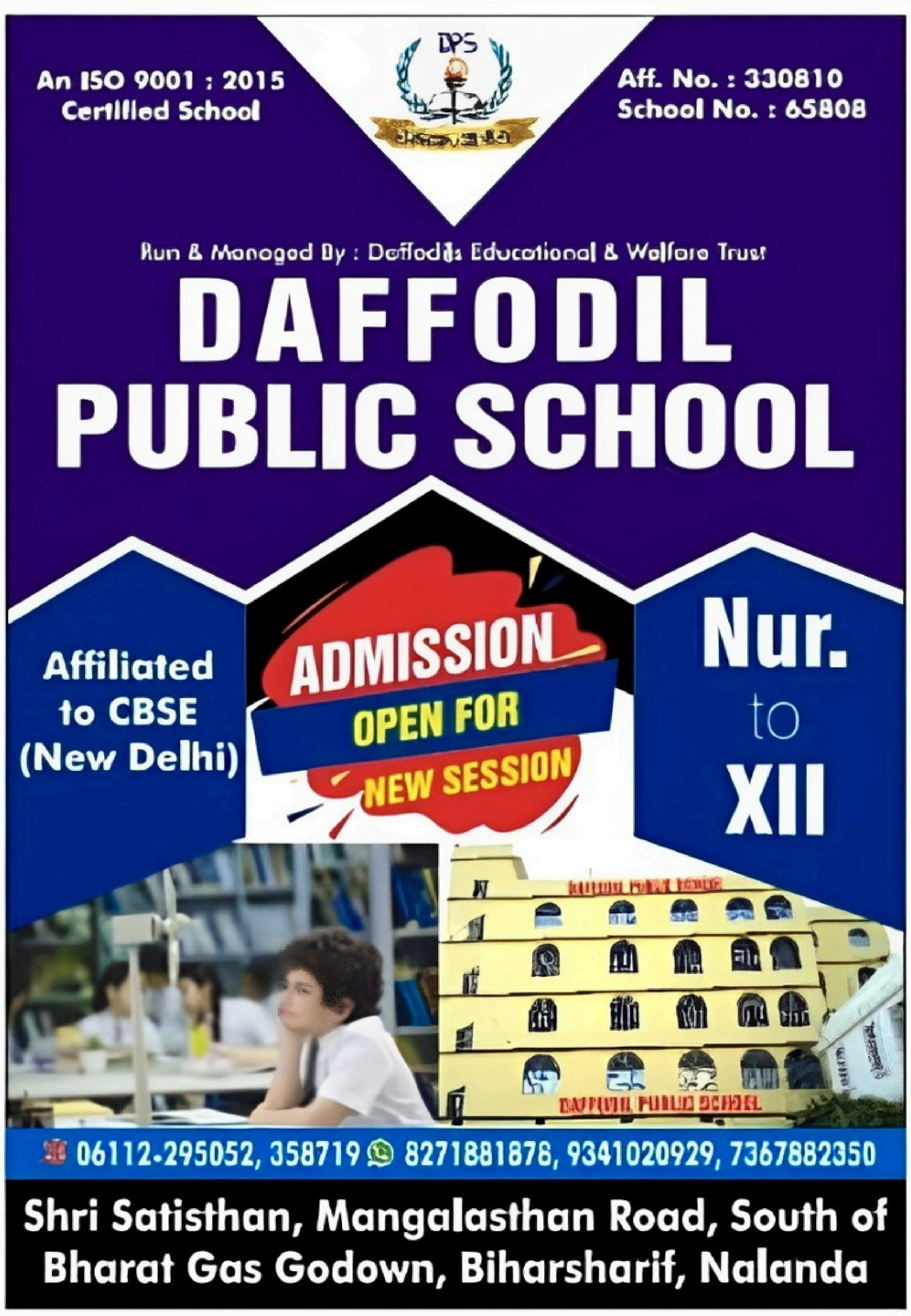

रेलवे कारखाना में महाअधिवेशन को लेकर प्रचार, कर्मियों को पटना चलने का किया आह्वान

हरिओम कुमार

हरनौत (अपना नालंदा)। हरनौत स्थित सवारी डिब्बा मरम्मत कारखाना परिसर में आगामी 12 और 13 अप्रैल को आयोजित होने वाले छठे केंद्रीय महाअधिवेशन को सफल बनाने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार अभियान चलाया गया। इस दौरान रेल कर्मियों को पटना में आयोजित महाअधिवेशन में शामिल होने के लिए प्रेरित किया गया।

ईस्ट सेंट्रल रेलवे इम्प्लाइज यूनियन (ईसीआरईयू) शाखा के अध्यक्ष राजीव रंजन ने बताया कि पटना स्थित विद्यापति भवन (तारामंडल के पास) में होने वाले इस महाअधिवेशन में रेल कर्मियों के 16 सूत्री एजेंडे पर विस्तृत मंथन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस अधिवेशन में रेलवे कर्मचारियों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होगी और संगठन की आगामी रणनीति तय की जाएगी।

अभियान के तहत रेलवे कॉलोनी, वर्कशॉप के मुख्य द्वार तथा अन्य प्रमुख स्थानों पर पोस्टर लगाए गए, ताकि अधिक से अधिक रेलकर्मी कार्यक्रम की तिथि, स्थान और प्रमुख मुद्दों की जानकारी प्राप्त कर सकें।

संगठन के पदाधिकारियों ने कर्मियों से अधिवेशन में अधिक संख्या में भाग लेकर इसे सफल बनाने की अपील की।

इस प्रचार-प्रसार कार्यक्रम में संगठन के सचिव बिपिन बिहारी पंडित, संयुक्त सचिव रवि रंजन कुमार, सहायक सचिव सुनील कुमार यादव, संगठन सचिव चितरंजन तिवारी, युवा समिति के अध्यक्ष रंजीत कुमार तथा कला एवं संस्कृति समिति के सचिव कमला प्रसाद सहित कई सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर रेल कर्मियों को अधिवेशन में भाग लेने के लिए जागरूक किया।

संपादकीय

जे पी चौधरी

नीतीश के बिना बिहार सुना

करीब दो दशकों तक बिहार की सत्ता के केंद्र में रहे नीतीश कुमार का राज्यसभा की राह पकड़ना केवल एक राजनीतिक औपचारिकता नहीं, बल्कि उस लंबे दौर का मोड़ है जिसने 2005 के बाद बिहार की राजनीति की दिशा तय की। जिस नेता ने करीब 21 वर्षों तक राज्य की सत्ता को प्रभावित किया, वही अब दिल्ली की राजनीति में नई भूमिका निभाने की तैयारी में हैं। यह बदलाव इसलिए भी अहम है क्योंकि बिहार की राजनीति लंबे समय से एक ही नेतृत्व के इर्द-गिर्द घूमती रही है और अब पहली बार इतने लंबे कार्यकाल के बाद सत्ता में बड़ा संक्रमण दिखाई दे रहा है। आंकड़ों के लिहाज से देखा जाए तो नीतीश कुमार का मुख्यमंत्री कार्यकाल बिहार के इतिहास में सबसे लंबे और प्रभावशाली कार्यकालों में गिना जाता है। नवंबर 2005 में स्थायी सरकार बनने के बाद से अप्रैल 2026 तक, अलग-अलग चरणों को जोड़कर उन्होंने लगभग 18 से 19 वर्षों तक मुख्यमंत्री पद संभाला। इस दौरान वे कुल 10 बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ले चुके हैं, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड माना जाता है। 2000 में पहली बार वे सात दिन के लिए मुख्यमंत्री बने थे, लेकिन बहुमत साबित न कर पाने के कारण उन्हें इस्तीफा देना पड़ा। इसके बाद 24 नवंबर 2005 को दूसरी बार मुख्यमंत्री बनने के साथ ही बिहार में स्थिर सरकार का दौर शुरू हुआ।

राजनीतिक सफर के शुरुआती चरण पर नजर डालें तो 1985 में पहली बार विधायक बनने के साथ उनकी सक्रिय राजनीति शुरू हुई। उसके चार साल बाद, यानी 1989 में वे पहली बार लोकसभा पहुंचे। 1989 से 2004 तक लगातार चार बार लोकसभा सदस्य चुने जाने का रिकॉर्ड उनके नाम रहा। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार में कई महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारियां निभाईं। 1990 के दशक में कृषि राज्य मंत्री के रूप में काम करने के बाद 1998 से 2004 के बीच रेल मंत्री और भूतल परिवहन मंत्री जैसे अहम मंत्रालय संभाले। रेल मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल में कई नई रेल परियोजनाएंशुरू हुईं और यात्री सुविधाओं में सुधार के प्रयास किए गए, जिससे उन्हें प्रशासनिक अनुभव मिला। 2005 में जब उन्होंने बिहार की सत्ता संभाली, तब राज्य की स्थिति कई मायनों में चुनौतीपूर्ण थी। उस समय राज्य की सड़क व्यवस्था कमजोर मानी जाती थी और ग्रामीण क्षेत्रों में संपर्क मार्गों की कमी थी। 2005 के बाद के वर्षों में हजारों किलोमीटर ग्रामीण सड़कों का निर्माण कराया गया। आंकड़ों के अनुसार, 2005 से 2020 के बीच राज्य में लाखों किलोमीटर ग्रामीण सड़कों का निर्माण और मरम्मत कार्य हुआ, जिससे गांवों को जिला मुख्यालय से जोड़ने की प्रक्रिया तेज हुई।

शिक्षा क्षेत्र में भी उनके कार्यकाल को बदलाव के दौर के रूप में देखा गया। 2006 में शुरू की गई साइकिल योजना का प्रभाव सबसे ज्यादा चर्चा में रहा। इस योजना के तहत अब तक एक करोड़ से अधिक छात्र-छात्राओं को साइकिल उपलब्ध कराई गई, जिससे खासकर लड़कियों की स्कूल पहुंच बढ़ी। 2005 में जहां माध्यमिक स्तर पर लड़कियों का नामांकन प्रतिशत अपेक्षाकृत कम था, वहीं अगले दस वर्षों में इसमें उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। इसी तरह पोशाक योजना और छात्रवृत्ति योजनाओं ने भी स्कूलों में उपस्थिति बढ़ाने में भूमिका निभाई। पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण देने का फैसला उनके शासनकाल की सबसे बड़ी प्रशासनिक पहलों में गिना जाता है। बिहार देश के उन शुरुआती राज्यों में शामिल हुआ, जहां पंचायतों में महिलाओं की भागीदारी इतनी बड़ी संख्या में बढ़ी। इसके बाद हजारों महिलाएं मुखिया, वार्ड सदस्य और जिला परिषद सदस्य के रूप में सामने आईं। इस फैसले ने ग्रामीण राजनीति का स्वरूप बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

संपादकीय का शेष भाग कल का अंक में

बिजली शॉर्ट सर्किट से जली फसल, खेतिहर मजदूर संघ ने मांगा मुआवजा

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। नालंदा जिले के नानंद बिंदिदिह करियाना गांव में बिजली के शॉर्ट सर्किट से लगी आग में किसानों की फसल जलकर नष्ट हो गई। घटना के बाद खेतिहर मजदूर संघ, नालंदा का एक प्रतिनिधिमंडल शुक्रवार को गांव पहुंचा और किसानों से मिलकर फसल नुकसान का जायजा लिया। प्रतिनिधिमंडल ने पीड़ित किसानों की समस्याएं सुनी और उन्हें उचित मुआवजा दिलाने का भरोसा दिलाया।

किसानों ने बताया कि खेतों में अचानक बिजली के शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई, जिससे उनकी गेहूं की फसल पूरी तरह जलकर राख हो गई। किसानों का कहना है कि इस नुकसान के कारण उनके घरों में अब एक भी दाना गेहूं नहीं पहुंच पाएगा, जिससे आने वाले समय में रोजी-रोटी की गंभीर समस्या खड़ी हो सकती है।

ग्रामीणों के अनुसार इस घटना में लगभग 100किसानों की फसल प्रभावित हुई है और करीब 200 बीघा जमीन में लगी फसल पूरी तरह नष्ट हो गई। आग बुझाने और फसल बचाने की कोशिश में दो युवक भी बुरी तरह झुलस गए, जिनका इलाज चल रहा है।

खेतिहर मजदूर संघ के प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी से मिलकर किसानों को उचित मुआवजा देने तथा घायल युवकों के इलाज की व्यवस्था कराने या इलाज का खर्च उपलब्ध कराने की मांग की है।

प्रतिनिधिमंडल में संघ के जिला महामंत्री सुधीर पटेल, पवन कुमार, लालबहादुर प्रसाद, तारकेश्वरी देवी, आशा कुमारी सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल थे। उन्होंने कहा कि किसानों की इस समस्या को सरकार तक पहुंचाकर जल्द राहत दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

जहानाबाद प्रशासन की पहल, विवाह समारोहों में मिलेगी वाणिज्यिक एलपीजी गैस सुविधा

अजीत कुमार

जहानाबाद (अपना नालंदा)। जहानाबाद जिला प्रशासन ने वैवाहिक समारोहों में गैस की बढ़ती मांग को देखते हुए वाणिज्यिक एलपीजी गैस की विशेष व्यवस्था करने का निर्णय लिया है। जिला पदाधिकारी के निर्देश पर अपर समाहर्ता (राजस्व) द्वारा जिला आपूर्ति पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी राजीव रंजन सिंह, सहायक जिला आपूर्ति पदाधिकारी तथा गैस वितरक एजेंसियों के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर मीडिया को जिले में गैस आपूर्ति की अद्यतन स्थिति की जानकारी दी गई।

अधिकारियों ने बताया कि जहानाबाद जिले में कुल 19 गैस एजेंसियां कार्यरत हैं, जिनके माध्यम से उपभोक्ताओं को गैस उपलब्ध कराई जा रही है। वैवाहिक कार्यक्रमों में गैस की सुचारु आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए रसोइया और कैटरर्स को अपने वाणिज्यिक गैस के लिए संबंधित तेल कंपनियों के साथ 5 से 7 दिनों के भीतर पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही जिस परिवार में विवाह समारोह आयोजित होना है, उन्हें शादी के कार्ड के साथ अनुमंडल पदाधिकारी को आवेदन देना होगा। आवेदन में यह स्पष्ट उल्लेख करना होगा कि समारोह में कितने लोगों के आने की संभावना है और कितने वाणिज्यिक गैस सिलेंडरों की आवश्यकता होगी। अनुमंडल पदाधिकारी आवेदन के आधार पर अतिथियों की संख्या का आकलन करेंगे और उसी के अनुसार संबंधित गैस एजेंसी को विवाह के दिन आवश्यक गैस आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश देंगे।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि उपलब्ध कराई गई वाणिज्यिक गैस का उपयोग केवल वैवाहिक कार्यक्रम के लिए ही किया जाएगा। गैस से संबंधित शिकायतों के समाधान के लिए जिला नियंत्रण कक्ष का दूरभाष संख्या 06114-223013 जारी किया गया है, जो 24 घंटे कार्यरत रहेगा। प्रशासन ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और पैनिक बुकिंग से बचने की अपील की है।

जहानाबाद में चार केंद्रों पर तीन मई को होगी नीट परीक्षा

अजीत कुमार

जहानाबाद (अपना नालंदा)। जहानाबाद जिले में 03 मई को आयोजित होने वाली नीट (यूजी) परीक्षा को सफल और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के उद्देश्य से शुक्रवार को समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अपर समाहर्ता (राजस्व) अनिल कुमार सिन्हा ने की, जिसमें सभी परीक्षा केंद्रों के केंद्राधीक्षकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में बताया गया कि जिले के चार परीक्षा केंद्रों—राज्य संपोषित बालिका उच्च विद्यालय, गांधी स्मारक इंटर स्तरीय विद्यालय, मुरलीधर उच्च विद्यालय तथा केंद्रीय विद्यालय, जहानाबाद—में 03 मई 2026 (रविवार) को अपराह्न 02:00 बजे से 05:00 बजे तक नीट (यूजी) परीक्षा आयोजित की जाएगी। परीक्षार्थियों का प्रवेश पूर्वाह्न 11:00 बजे से शुरू होगा और अपराह्न 01:00 बजे के बाद किसी भी परीक्षार्थी को प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

अपर समाहर्ता ने नोडल पदाधिकारी को निर्देश दिया कि वे केंद्राधीक्षकों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए परीक्षा से पहले सभी केंद्रों पर आवश्यक तैयारियों का निरीक्षण कराएं। प्रश्नपत्रों को सुरक्षित तरीके से परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाने के लिए विशेष रूप से दंडाधिकारी और पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति करने का निर्देश भी दिया गया।

बैठक में सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त रोशनी, पेयजल और विद्युत की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। साथ ही प्रत्येक केंद्र पर सीसीटीवी कैमरा लगाने और उसकी नियमित निगरानी रखने को कहा गया, ताकि परीक्षा निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न हो सके।बैठक में वरीय उप समाहर्ता होमा इरफान, जिला शिक्षा पदाधिकारी सरस्वती कुमारी, सहायक जिला सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी, एनआईसी, सिटी कोऑर्डिनेटर सह प्राचार्य केंद्रीय विद्यालय जहानाबाद सहित सभी परीक्षा केंद्रों के केंद्राधीक्षक उपस्थित थे।

सहज होम्योपैथिक चिकित्सा : सिद्धांत, इतिहास और मानवीय सेवा की प्रेरक गाथा

लेखक – डॉ० विजय कुमार सिंह

होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति चिकित्सा विज्ञान की उन विशिष्ट प्रणालियों में से एक है, जिसका उद्देश्य केवल रोगों का उपचार करना नहीं बल्कि रोगी को संपूर्ण रूप से स्वस्थ बनाना है। यह चिकित्सा पद्धति शरीर, मन और जीवनशैली—तीनों को एक साथ ध्यान में रखकर उपचार करती है। इसी कारण इसे पूर्ण आरोग्य प्रदान करने वाली चिकित्सा प्रणाली कहा जाता है। प्रसिद्ध होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ० विजय कुमार सिंह द्वारा लिखित पुस्तक "सहज होम्योपैथिक चिकित्सा" इसी उद्देश्य से तैयार की गई है, ताकि सामान्य व्यक्ति भी होम्योपैथी के मूल सिद्धांतों और उपयोगिता को सरल भाषा में समझ सके और इसका लाभ उठा सके।

डॉ० विजय कुमार सिंह नालंदा जिले के एक वरिष्ठ और अनुभवी होम्योपैथिक चिकित्सक हैं। वे वर्तमान में रेडक्रॉस नालंदा के आजीवन सदस्य और संरक्षक के रूप में भी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने होम्योपैथी में स्नातक बी०एच०एम०एस० की शिक्षा प्राप्त की है और पिछले तीन दशकों से अधिक समय से चिकित्सा सेवा में लगे हुए हैं। अपने लंबे अनुभव के दौरान उन्होंने हजारों रोगियों का उपचार किया है, जिनमें अनेक ऐसे रोगी भी शामिल रहे हैं जो एलोपैथी या आयुर्वेद से इलाज करवाकर भी राहत नहीं पा सके थे। ऐसे जटिल रोगों से पीड़ित मरीजों को होम्योपैथी के माध्यम से राहत दिलाना उनके चिकित्सा जीवन की महत्वपूर्ण उपलब्धि रही है।

डॉ० विजय कुमार सिंह का जीवन केवल चिकित्सा सेवा तक सीमित नहीं रहा है। उन्होंने सामाजिक कार्यों में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। रेडक्रॉस, ब्लड बैंक और वीम्स पावापुरी जैसी संस्थाओं के सहयोग से उन्होंने अनेक रक्तदान शिविरों का सफल आयोजन किया है। विशेष रूप से कोरोना महामारी के कठिन समय में उन्होंने रक्तदान अभियान का नेतृत्व करते हुए यह सुनिश्चित किया कि किसी भी रोगी को रक्त की कमी के कारण परेशानी न झेलनी पड़े। उनके इस प्रयास ने समाज में सेवा और सहयोग की भावना को मजबूत किया।

इसके अतिरिक्त डॉ० विजय कुमार सिंह ने सामाजिक और जनसेवा के क्षेत्र में भी सक्रिय भूमिका निभाई है। वे पूर्व रक्षा मंत्री स्वर्गीय जॉर्ज फर्नांडिस के साथ सांसद प्रतिनिधि के रूप में भी कई वर्षों तक नालंदा जिले में कार्य कर चुके हैं। इस दौरान उन्होंने जनसमस्याओं को समझने और उनके समाधान के लिए प्रयास करने का कार्य किया। चिकित्सा सेवा और सामाजिक सेवा के इस समन्वय ने उनके व्यक्तित्व को और अधिक व्यापक और प्रेरणादायी बनाया है।

होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति का मूल सिद्धांत यह है कि रोग का उपचार नहीं बल्कि रोगी का उपचार किया जाता है। इस प्रणाली में रोगी की शारीरिक स्थिति के साथ-साथ उसकी मानसिक अवस्था, स्वभाव, खान-पान की आदतें और जीवनशैली का भी अध्ययन किया जाता है। इसलिए होम्योपैथी में किसी रोग के लिए पहले से तय औषधि नहीं होती। एक ही बीमारी से ग्रस्त दो अलग-अलग रोगियों को अलग-अलग औषधि दी जा सकती है, क्योंकि दोनों के लक्षण और शारीरिक-मानसिक प्रवृत्तियाँ अलग होती हैं।

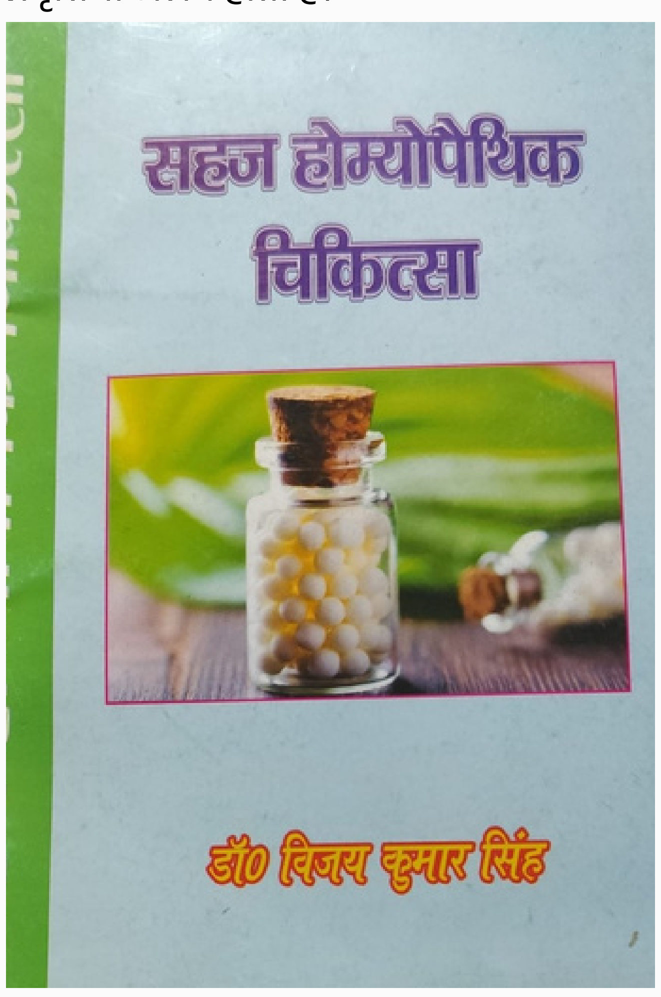

होम्योपैथी के अनुसार प्रकृति में हर रोग का उपचार मौजूद है। यह चिकित्सा पद्धति "समरूपता के सिद्धांत" पर आधारित है, जिसके अनुसार जिस पदार्थ से स्वस्थ व्यक्ति में कुछ विशेष लक्षण उत्पन्न होते हैं, वही पदार्थ अत्यंत सूक्ष्म मात्रा में उन लक्षणों से पीड़ित रोगी को देने पर उसे स्वस्थ कर सकता है। उदाहरण के लिए यदि किसी व्यक्ति को ऐसा जुकाम हो जिसमें नाक और आँखों से लगातार पानी बहता हो, ठीक वैसे ही जैसे प्याज काटते समय होता है, तो प्याज से बनी औषधि एलियम सीपा उस रोगी के लिए उपयोगी हो सकती है—बशर्ते कि उसके अन्य लक्षण भी उसी औषधि के लक्षणों से मेल खाते हों।

यही कारण है कि होम्योपैथी को एक जटिल किंतु प्रभावी चिकित्सा विज्ञान माना जाता है। यह केवल शरीर के बाहरी लक्षणों को नहीं देखती बल्कि मन और भावनाओं को भी उपचार की प्रक्रिया का हिस्सा मानती है। होम्योपैथिक औषधियों का वर्णन कई बार किसी कहानी के पात्रों की तरह किया जाता है, क्योंकि प्रत्येक औषधि का अपना विशिष्ट स्वभाव और प्रभाव होता है। किसी औषधि का संबंध क्रोध, भय, ईर्ष्या, संवेदनशीलता या उदासी जैसे मानसिक लक्षणों से भी हो सकता है।

इस चिकित्सा पद्धति की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह भी है कि इसमें औषधियों की मात्रा अत्यंत सूक्ष्म होती है। यही कारण है कि सामान्यतः इसके दुष्प्रभाव अन्य चिकित्सा पद्धतियों की तुलना में कम होते हैं। फिर भी यह मान लेना कि होम्योपैथी की दवाओं का कोई दुष्परिणाम नहीं होता, पूरी तरह सही नहीं है। संसार में ऐसा कोई पदार्थ नहीं है जिससे केवल लाभ ही हो और हानि की संभावना बिल्कुल न हो। इसलिए होम्योपैथिक औषधियों का प्रयोग भी सावधानीपूर्वक और उचित मार्गदर्शन में करना आवश्यक है।डॉ० विजय कुमार सिंह अपनी पुस्तक में यह सलाह देते हैं कि सामान्य रोगों में दी गई औषधियों का प्रयोग प्रायः 30 शक्ति में किया जाना चाहिए। इससे अधिक शक्ति का उपयोग किसी अनुभवी चिकित्सक की सलाह के बिना नहीं करना चाहिए। विशेष रूप से जीर्ण रोगों के मामलों में रोगी का विस्तृत इतिहास लेकर ही उचित औषधि का चयन करना आवश्यक होता है।

होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति के जनक जर्मनी के महान चिकित्सक डॉ. सैमुएल हैनिमैन थे। उनका जन्म 10 अप्रैल 1755 को हुआ था। प्रारंभ में वे एक प्रतिष्ठित एलोपैथिक चिकित्सक थे, लेकिन एलोपैथी के सीमित प्रभाव और उसके दुष्प्रभावों से असंतुष्ट होकर उन्होंने एक नई चिकित्सा प्रणाली की खोज शुरू की। लगभग बारह वर्षों तक लगातार अध्ययन और प्रयोग करने के बाद उन्होंने होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति की स्थापना की। सन् 1796 में उन्होंने जर्मनी के लिपजिंग नगर में इस पद्धति के आधार पर चिकित्सा कार्य प्रारंभ किया। उस समय के दवा व्यापारियों और कुछ चिकित्सकों ने इस नई पद्धति का विरोध किया और उन्हें अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। यहाँ तक कि उन्हें लिपजिंग नगर छोड़ने के लिए भी विवश किया गया। फिर भी उनके प्रयासों के कारण होम्योपैथी धीरे-धीरे विश्वभर में फैलती चली गई और आज यह एक प्रतिष्ठित चिकित्सा प्रणाली के रूप में स्थापित हो चुकी है।

इतिहास में कई महामारी रोगों—जैसे चेचक, हैजा, डिप्थीरिया और प्लेग—के उपचार में भी होम्योपैथी ने उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। इसी कारण भारत के बंगाल क्षेत्र में यह चिकित्सा प्रणाली विशेष रूप से लोकप्रिय हुई। ऐतिहासिक अभिलेखों के अनुसार सन् 1813 में डॉ. हैनिमैन ने टाइफाइड ज्वर के 183 रोगियों का उपचार किया था और उनमें से एक भी रोगी की मृत्यु नहीं हुई। इस घटना का उल्लेख प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. क्लार्क ने अपने ग्रंथ में किया है।

प्रकाशक : SHRI
मुद्रक : जनता ऑफसेट प्रेस
प्रथम संस्करण : 2022
संपादन : आशुतोष नारायण
मूल्य : ₹99
© डॉ. विजय कुमार सिंह
सम्पर्क- dr.vksingh10@gmail.com

जहाँ तक जटिल रोगों—जैसे मधुमेह, गठिया, क्षय रोग, मानसिक रोग या कैंसर—का प्रश्न है, इनका उपचार किसी भी चिकित्सा पद्धति में सरल नहीं होता। इन रोगों की जड़ें गहरी होती हैं और इनका उपचार लंबे समय तक चलता है। होम्योपैथी इन रोगों के उपचार में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यदि रोग अत्यंत गंभीर अवस्था में पहुँच चुका हो तो पूर्ण आरोग्य संभव न भी हो, फिर भी यह रोगी के कष्ट को कम करने और उसकी आयु बढ़ाने मेंसहायक सिद्ध होती है।आज के समय में चिकित्सा का क्षेत्र अत्यधिक महँगा होता जा रहा है और दवाओं के दुष्प्रभाव भी चिंता का विषय बनते जा रहे हैं। ऐसे समय में होम्योपैथी एक किफायती और सुरक्षित विकल्प के रूप में सामने आई है। कम मात्रा में औषधि, अपेक्षाकृत कम खर्च और दीर्घकालिक स्वास्थ्य लाभ इसकी प्रमुख विशेषताएँ हैं।

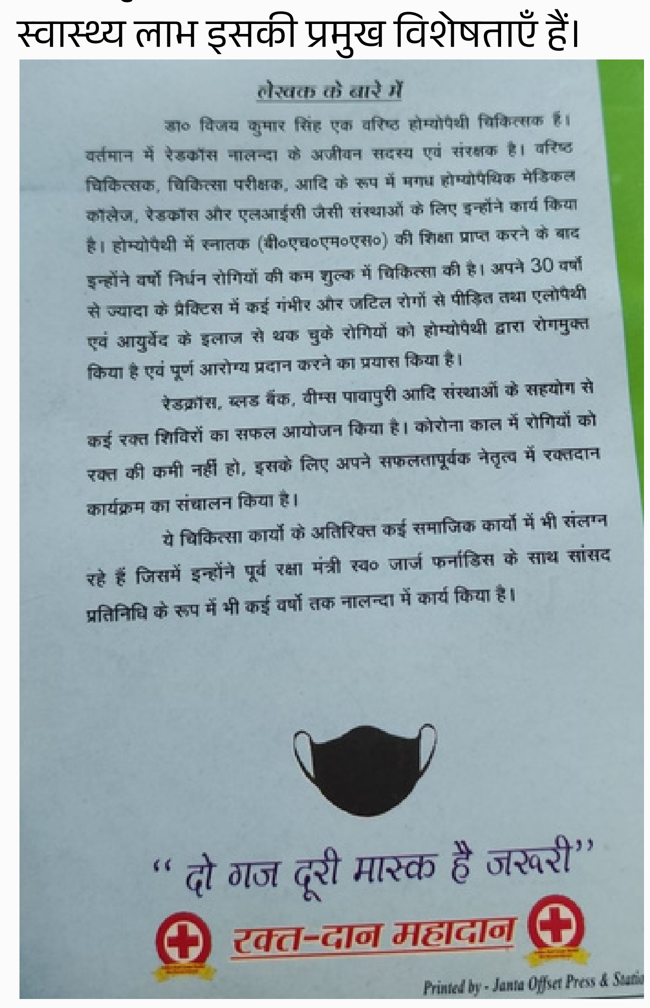
लेखक के बारे में

डा० विजय कुमार सिंह एक वरिष्ठ होम्योपैथी चिकित्सक हैं। वर्तमान में रेडक्रॉस नालन्दा के अजीवन सदस्य एवं संरक्षक हैं। वरिष्ठ चिकित्सक, चिकित्सा परीक्षक, आदि के रूप में मगध होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज, रेडक्रॉस और एलआईसी जैसी संस्थाओं के लिए इन्होंने कार्य किया है। होम्योपैथी में स्नातक (बी०एच०एम०एस०) की शिक्षा प्राप्त करने के बाद इन्होंने वर्षो निर्धन रोगियों की कम शुल्क में चिकित्सा की है। अपने 30 वर्षो से ज्यादा के प्रैक्टिस में कई गंभीर और जटिल रोगों से पीड़ित तथा एलोपैथी एवं आयुर्वेद के इलाज से थक चुके रोगियों को होम्योपैथी द्वारा रोगमुक्त किया है एवं पूर्ण आरोग्य प्रदान करने का प्रयास किया है।

रेडक्रॉस, ब्लड बैंक, वीम्स पावापुरी आदि संस्थाओं के सहयोग से कई रक्त शिविरों का सफल आयोजन किया है। कोरोना काल में रोगियों को रक्त की कमी नहीं हो, इसके लिए अपने सफलतापूर्वक नेतृत्व में रक्तदान कार्यक्रम का संचालन किया है।

ये चिकित्सा कार्यों के अतिरिक्त कई समाजिक कार्यों में भी संलग्न रहे हैं जिसमें इन्होंने पूर्व रक्षा मंत्री स्व० जार्ज फर्नांडिस के साथ सांसद प्रतिनिधि के रूप में भी कई वर्षो तक नालन्दा में कार्य किया है।

"दो गज दूरी मास्क है जरूरी"
रक्त-दान महादान
Printed by - Janta Offset Press & Stati

डॉ० विजय कुमार सिंह का मानना है कि होम्योपैथी केवल एक चिकित्सा पद्धति नहीं बल्कि एक मानवीय दृष्टिकोण है। इसका उद्देश्य रोग को दबाना नहीं बल्कि शरीर की प्राकृतिक प्रतिरोधक क्षमता को जागृत करना है। यदि समाज में अधिक से अधिक लोग इस चिकित्सा पद्धति को समझें और अपनाएँ तो यह व्यक्तिगत, सामाजिक और राष्ट्रीय स्वास्थ्य को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

इस पुस्तक के माध्यम से डॉ० विजय कुमार सिंह ने अपने तीन दशक से अधिक के अनुभव और अध्ययन को सरल भाषा में प्रस्तुत करने का प्रयास किया है। उनका उद्देश्य केवल चिकित्सा ज्ञान का प्रसार करना नहीं बल्कि लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाना भी है। वे पाठकों से यह भी अनुरोध करते हैं कि यदि पुस्तक में कोई त्रुटि दिखाई दे या कोई सुझाव हो तो अवश्य साझा करें, ताकि भविष्य के संस्करणों में उसे सुधारकर और बेहतर बनाया जा सके।

अंततः यह कहा जा सकता है कि "सहज होम्योपैथिक चिकित्सा" केवल एक चिकित्सा पुस्तक नहीं बल्कि स्वास्थ्य जागरूकता का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। यह पुस्तक यह संदेश देती है कि यदि हम प्रकृति के सिद्धांतों को समझकर चिकित्सा पद्धतियों का उपयोग करें, तो न केवल रोगों से मुक्ति पा सकते हैं बल्कि एक स्वस्थ और संतुलित जीवन भी जी सकते हैं।

नालंदा के नगर निकायों में 18 अप्रैल को 49 सदस्यों के लिए मतदान

हरिओम कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। बिहार नगरपालिका (संशोधन) अधिनियम 2026 लागू होने के बाद नालंदा जिले के सभी 15 नगर निकायों में सशक्त स्थायी समिति के गठन के लिए 18 अप्रैल को चुनाव कराया जाएगा। जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) सह जिलाधिकारी कुंदन कुमार के निर्देश पर निर्वाचन की सभी तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इस चुनाव के तहत जिले में कुल 49 सदस्यों का चयन गुप्त मतदान के माध्यम से किया जाएगा।

जिलाधिकारी ने बिहारशरीफ नगर निगम के अलावा तीन नगर परिषद और 11 नगर पंचायतों में चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने के लिए सहायक निर्वाची पदाधिकारी, सहयोगी पदाधिकारी तथा प्रेक्षक के रूप में कई वरिष्ठ अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की है। चुनाव प्रक्रिया की निगरानी स्वयं जिलाधिकारी करेंगे और सभी चरणों की वीडियोग्राफी भी कराई जाएगी।

बिहारशरीफ नगर निगम में सशक्त स्थायी समिति के सात सदस्यों का चुनाव होगा, जबकि अन्य सभी नगर परिषद और नगर पंचायतों में तीन-तीन सदस्यों का चयन किया जाएगा। बिहारशरीफ नगर निगम में कुल 51 वार्ड पार्षद मतदान करेंगे, जबकि अन्य नगर निकायों के पार्षद भी अपने-अपने क्षेत्र में मतदान कर समिति के सदस्यों का चुनाव करेंगे।

चुनाव अपने-अपने निकाय क्षेत्र के सभा कक्ष में कराया जाएगा। बिहारशरीफ नगर निगम का चुनाव नगर निगम के सभा कक्ष में होगा। वहीं हिलसा, इस्लामपुर और राजगीर नगर परिषद के सभा कक्ष में मतदान कराया जाएगा। इसके अलावा अस्थावां, गिरियक, पावापुरी, रहुई, एकंगरसराय, नालंदा और सिलाव नगर पंचायतों के सभा कक्ष में चुनाव होंगे, जबकि हरनौत, चंडी, परबलपुर और सरमेरा नगर पंचायतों के लिए प्रखंड कार्यालय के सभा कक्ष को मतदान स्थल बनाया गया है।

निर्वाचन प्रक्रिया एक ही दिन में पूरी कराई जाएगी। सुबह 8 बजे से नामांकन प्रक्रिया शुरू होगी और इसके बाद बिना विराम के मतदान, मतगणना और शपथ ग्रहण की प्रक्रिया संपन्न होगी। प्रत्येक वार्ड पार्षद केवल एक ही सीट के लिए नामांकन कर सकेगा। यदि कोई पार्षद एक से अधिक सीटों के लिए नामांकन करता है तो न्यूनतम क्रमांक वाली सीट का नामांकन ही वैध माना जाएगा। मतदान पूरी तरह गुप्त रहेगा और अधिकतम मत प्राप्त करने वाला उम्मीदवार विजयी घोषित किया जाएगा। विजयी उम्मीदवारों को उसी दिन प्रमाणपत्र देकर शपथ भी दिलाई जाएगी।

जानकारों के अनुसार सशक्त स्थायी समिति नगर निकाय की सबसे प्रभावशाली कार्यकारी समिति होती है, जिसे नगर सरकार की "कोर टीम" माना जाता है। यह समिति विकास योजनाओं की स्वीकृति, वित्तीय निर्णय, प्रशासनिक नियंत्रण और कार्यों की प्राथमिकता तय करने जैसे महत्वपूर्ण फैसले लेती है।

पूर्व में मेयर या चेयरमैन द्वारा समिति के सदस्यों का चयन किया जाता था, जिससे पक्षपात के आरोप लगते थे। इसी कारण पारदर्शिता बढ़ाने के लिए बिहार सरकार ने नगर पालिका कानून में संशोधन कर पार्षदों के गुप्त मतदान से सदस्यों के चयन की व्यवस्था लागू की है। प्रशासन का कहना है कि नई व्यवस्था से नगर निकायों में लोकतांत्रिक भागीदारी और पारदर्शिता को बढ़ावा मिलेगा।

नालंदा में घरेलू गैस की पर्याप्त आपूर्ति, रोजाना 9041 सिलिंडर उपलब्ध: डीएम

अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। नालंदा जिले में घरेलू एलपीजी गैस सिलिंडर की उपलब्धता को लेकर जिला प्रशासन ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि जिले में गैस की कोई कमी नहीं है और उपभोक्ताओं को नियमित रूप से सिलिंडर उपलब्ध कराया जा रहा है। शुक्रवार को जिला पदाधिकारी कुंदन कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि तेल विपणन कंपनियों के जिला नोडल पदाधिकारी से प्राप्त प्रतिवेदन के अनुसार जिले में घरेलू एलपीजी गैस सिलिंडर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं तथा खपत के अनुरूप निर्बाध आपूर्ति जारी है।

उन्होंने बताया कि जिले में कुल 54 गैस एजेंसियों के माध्यम से उपभोक्ताओं को बुकिंग के आधार पर प्रतिदिन लगभग 9041 घरेलू एलपीजी सिलिंडर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। विभागीय नियमों के अनुसार शहरी क्षेत्रों के उपभोक्ता 25 दिनों के बाद और ग्रामीण क्षेत्रों के उपभोक्ता 45 दिनों के बाद रिफिलिंग के लिए आवेदन कर सकते हैं। जिला पदाधिकारी ने बताया कि फिलहाल जिले में गैस वितरण से संबंधित बैकलॉग 4.3 है, जिसे कम कर 2 से 3 के बीच लाने का निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिया गया है।

जिलाधिकारी ने यह भी बताया कि खरमास समाप्त होने के बाद वैवाहिक समारोहों और अन्य सामाजिक आयोजनों में बढ़ोतरी को देखते हुए वाणिज्यिक गैस सिलिंडर की पर्याप्त आपूर्ति की भी व्यवस्था की गई है। इसके तहत विवाह समारोहों में भोजन बनाने के लिए रसोइयों या कैटरर्स को वाणिज्यिक गैस का उपयोग करना होगा। इसके लिए संबंधित रसोइया या कैटरर्स को तेल कंपनियों में अपना निबंधन कराना होगा, जिसे आगामी 5 से 7 दिनों के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया गया है।

यदि किसी परिवार में विवाह समारोह आयोजित होने वाला है, तो उस परिवार के सदस्य को अपने संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी के पास शादी के कार्ड के साथ आवेदन देना होगा। आवेदन में यह स्पष्ट उल्लेख करना होगा कि उन्हें कितने वाणिज्यिक गैस सिलिंडरों की आवश्यकता है तथा समारोह में लगभग कितने लोगों के शामिल होने की संभावना है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इस तरह उपलब्ध कराए गए वाणिज्यिक गैस सिलिंडरों का उपयोग केवल वैवाहिक कार्यक्रम में ही किया जा सकेगा।

इसके साथ ही जिला पदाधिकारी ने जिले में पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) कनेक्शन के विस्तार की भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बिहारशरीफ नगर निगम क्षेत्र, राजगीर और सिलाव में पीएनजी पाइपलाइन बिछाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। बिहारशरीफ के वार्ड संख्या 21, 22, 23, 24, 25 और 44, सिलाव के वार्ड संख्या 2, 4, 5, 6, 10 और 11 तथा राजगीर के 17 वार्डों में पीएनजी पाइपलाइन का कार्य पूरा हो चुका है और वहां आवेदन के आधार पर उपभोक्ताओं को कनेक्शन दिया जा रहा है।

जिलाधिकारी ने इन क्षेत्रों के लोगों से पीएनजी कनेक्शन लेने की अपील करते हुए कहा कि इससे लोगों को बड़े शहरों जैसी सुविधा मिलेगी और एलपीजी गैस पर निर्भरता भी कम होगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पीएनजी कनेक्शन के लिए प्राप्त आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए जल्द से जल्द उपभोक्ताओं को कनेक्शन उपलब्ध कराया जाए।

जिला प्रशासन ने एलपीजी गैस से संबंधित शिकायतों के समाधान के लिए जिला स्तर पर कंट्रोल रूम भी संचालित किया है। उपभोक्ता टोल फ्री नंबर 06112-233168 पर संपर्क कर अपनी समस्या दर्ज करा सकते हैं। जिलाधिकारी ने लोगों से अपील की है कि यदि कहीं एलपीजी सिलिंडरों की जमाखोरी, कालाबाजारी या घरेलू गैस का व्यावसायिक उपयोग होता दिखाई दे तो इसकी सूचना तुरंत प्रशासन को दें। ऐसे मामलों में दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

नेहुसा में दो दिवसीय बाबा चौहरमल मेला कल से, मंत्री करेंगे उद्घाटन

हरिओम कुमार

हरनौत (अपना नालंदा)। हरनौत प्रखंड के नेहुसा गांव में श्रीश्री 108 श्री बाबा चौहरमल स्मारक समिति के तत्वावधान में रविवार से दो दिवसीय बाबा चौहरमल मेला महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। वार्षिक मेला को लेकर पूरे गांव में उत्साह और तैयारी का माहौल है। आयोजन को भव्य बनाने के लिए गांव के विभिन्न हिस्सों में विशेष सजावट की गई है।

समिति के सदस्यों ने बताया कि पैक्स गोदाम से लेकर क्षितिज एग्रोटेक संस्थान और मिल्की पर टोला से बिहार ग्रामीण बैंक शाखा तक आकर्षक रोशनी की व्यवस्था की गई है। वहीं तालाब के उत्तरी छोर पर स्थित बाबा चौहरमल मंदिर को रंग-रोगन कर आकर्षक रूप से सजाया गया है। मंदिर के पास दुगोला कार्यक्रम, अतिथियों के स्वागत तथा श्रद्धालुओं के बैठने के लिए बड़ा टेंट लगाया गया है। इसके अलावा पैक्स गोदाम समेत कई स्थानों पर बैनर लगाकर स्वागत द्वार भी बनाए गए हैं।

इस वर्ष तालाब सूखा होने के कारण मेला परिसर और नाट्य मंच तालाब के अंदर ही बनाया गया है। मेले में विभिन्न प्रकार के झूले, श्रृंगार सामग्री की दुकानें, मिठाई की दुकानें और बच्चों के लिए खिलौनों की दुकानें लगाई जा रही हैं, जिससे मेले की रौनक और बढ़ गई है।

समिति के अध्यक्ष विजय पासवान, अमरजीत पासवान और लक्ष्मण पासवान ने बताया कि यह मेला 12 और 13 अप्रैल को आयोजित होगा। पहले दिन बिहार सरकार के गन्ना एवं उद्योग मंत्री कार्यक्रम में शामिल होंगे और बाबा चौहरमल मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे। इसके बाद रात में दुगोला और नाट्य कार्यक्रमका आयोजन किया जाएगा, जिसमें झारखंड के धनबाद, नालंदा के इस्लामपुर सहित विभिन्न स्थानों से आए कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे।

हरनौत थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर मुकेश कुमार वर्मा ने बताया कि मेले के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं और पुलिस की विशेष निगरानी रहेगी, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि इस मेले में नालंदा और पटना सहित आसपास के कई जिलों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होने आते हैं। उन्होंने कहा कि बाबा चौहरमल समाज के महान महापुरुष थे। उनका जन्म चार अप्रैल 1313 को मोकामा अंचल के शंकरबाड़ टोला में चैत्र पूर्णिमा के दिन हुआ था। उनके पिता का नाम बंदिमल और माता का नाम रघुमति था। बचपन से ही वे असाधारण प्रतिभा और साहस के धनी थे।

समिति के अध्यक्ष विजय पासवान ने कहा कि इस दो दिवसीय महोत्सव का उद्देश्य वीर शिरोमणि बाबा चौहरमल के साहस, आदर्शों और समाज के प्रति उनके योगदान को याद करना है। इस आयोजन को सफल बनाने में उमेश, विजेंद्र, किशोर, उमेश, वीरू, टिंकू, रजनीश, सोनेलाल, शंभू, उमाशंकर, अभिज्ञान, छोटे अभिषेक समेत अन्य ग्रामीणों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

नालंदा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने असम मुख्यमंत्री हेमंता विश्वा शर्मा का पुतला फूंका

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। शुक्रवार को नालंदा जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ताओं ने असम के मुख्यमंत्री हेमंता विश्वा शर्मा के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए उनका पुतला दहन किया। यह कार्यक्रम बिहारशरीफ स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय राजेंद्र आश्रम, धनेश्वर घाट के सामने आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमेटी नालंदा के जिलाध्यक्ष विवेक सिन्हा ने की।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष विवेक सिन्हा ने अपने संबोधन में कहा कि असम के मुख्यमंत्री हेमंता विश्वा शर्मा एक संवैधानिक और सम्मानित पद पर रहते हुए भी अमर्यादित भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि शर्मा द्वारा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष और वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के प्रति लगातार अपमानजनक और अनुचित टिप्पणियां की जा रही हैं, जो लोकतांत्रिक मर्यादाओं के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ऐसे बयानों की कड़ी निंदा करती है और इसके विरोध में यह प्रतीकात्मक पुतला दहन किया गया है।

कार्यक्रम में कई कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। इनमें अधिवक्ता सरफराज मलिक, नरेश प्रसाद अकेला, युवा कांग्रेस अध्यक्ष विवेकानंद पासवान, इंजीनियर टीपू, इमरान खान, मुकेश कुमार, संदीप पासवान, अधिवक्ता मोहम्मद इम्तियाज आलम, असगर भारती, अनुग्रह प्रसाद, अनिल कुमार, डॉ. अवधेश कुमार, बच्चू सिंह और महताब आलम चिश्ती सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन और बुद्धिजीवी उपस्थित थे।

कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन के दौरान नारेबाजी भी की और कहा कि सार्वजनिक जीवन में मर्यादित भाषा का प्रयोग होना चाहिए। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि इस तरह की बयानबाजी जारी रही तो पार्टी आगे भी लोकतांत्रिक तरीके से विरोध दर्ज कराती रहेगी।

हरनौत के वीर कुंवर सिंह चौक पर हाई मास्ट लाइट से बढ़ी रोशनी

हरिओम कुमार

हरनौत (अपना नालंदा)। हरनौत नगर पंचायत क्षेत्र के जलगोविंद पथ स्थित वीर कुंवर सिंह चौक के समीप शुक्रवार को हाई मास्ट लाइट स्थापित कर दी गई, जिससे पूरा चौराहा अब दुधिया रोशनी से जगमगा उठा है। हाई मास्ट लाइट लगने से आसपास के इलाकों में रात के समय भी पर्याप्त रोशनी रहने लगी है, जिससे स्थानीय लोगों में खुशी का माहौल है।नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी सौरभ सुमन ने बताया कि लगभग सात लाख 82 हजार रुपये की लागत से इस हाई मास्ट लाइट को लगाया गया है। यह कार्य बुडको के माध्यम से कराया गया है। उन्होंने कहा कि नगर क्षेत्र में बेहतर प्रकाश व्यवस्था के लिए तीन अन्य स्थानों पर भी जल्द ही हाई मास्ट लाइट लगाई जाएगी। इनमें नियामतपुर रेलवेगुमटी के पास, माधोपुर-सबनहुआ छठ घाट और रेलवे स्टेशन के समीप के क्षेत्र शामिल हैं।उप मुख्य पार्षद प्रतिनिधि सह समाजसेवी सुरेश सिंह ने कहा कि नगर का चहुंमुखी विकास उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि हाई मास्ट लाइट लगाने का मुख्य उद्देश्य रात के समय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और नगर के प्रमुख स्थानों को अंधेरे से मुक्त करना है। इसके तहत मुख्य चौराहों, व्यस्त बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर हाई मास्ट लाइट लगाने की योजना बनाई गई है।उन्होंने बताया कि इन लाइटों को लगाने का लक्ष्य चार माह के भीतर पूरा करना था, लेकिन जमीन चयन से जुड़ी कुछ तकनीकी प्रक्रियाओं के कारण थोड़ी देरी हुई। अब इसके लगने से रेलवे स्टेशन, पंचशील नगर, प्रखंड मुख्यालय, बस्ती, डिहरीगढ़ सहित आसपास के गांवों से आने-जाने वाले लोगों को काफी सुविधा मिलेगी।

बिहारशरीफ के निजी क्लिनिक में प्रसूता की मौत, परिजनों ने लापरवाही का लगाया आरोप

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। बिहारशरीफ के रांची रोड स्थित एक निजी क्लिनिक में प्रसव के बाद एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने से हड़कंप मच गया। परिजनों ने डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

मृतका की पहचान नवादा जिले के नारदीगंज थाना क्षेत्र के केशोरिया गांव निवासी 30 वर्षीय सोनी देवी के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार सोनी देवी को बीती रात प्रसव के लिए नवादा से बिहारशरीफ लाया गया था और रांची रोड स्थित एक निजी क्लिनिक में भर्ती कराया गया था। यहां उन्होंने बच्चे को जन्म दिया, लेकिन डिलीवरी के करीब दो घंटे बाद ही उनकी तबीयत अचानक बिगड़ने लगी।

परिजनों का आरोप है कि महिला की हालत बिगड़ने के बावजूद अस्पताल प्रबंधन ने उचित इलाज नहीं किया। कुछ ही घंटों के भीतर उनकी मौत हो गई। आरोप है कि जिम्मेदारी से बचने के लिए अस्पताल प्रबंधन ने महिला को पटना स्थित पीएमसीएच रेफर कर दिया।

परिजनों का कहना है कि जब वे महिला को लेकर पीएमसीएच पहुंचे तो वहां के डॉक्टरों ने जांच के बाद बताया कि महिला की मौत करीब चार घंटे पहले ही हो चुकी थी। डॉक्टरों के अनुसार पेट में अधिक खून जमा हो जाने के कारण उसकी मौत हुई।

घटना के बाद आक्रोशित परिजन शव को लेकर बिहारशरीफ लौट आए और अस्पताल के खिलाफ जमकर विरोध जताया। बताया जा रहा है कि घटना के बाद क्लिनिक के डॉक्टर और नर्स मौके से फरार हो गए। सूचना मिलने पर स्थानीय थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है।

मृतका के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। उन्होंने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषी डॉक्टरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

कतरीसराय में 75 लाख रंगदारी मांगने वाला गिरोह बेनकाब, सात आरोपी गिरफ्तार

आर संतोष भारती

कतरीसराय (अपना नालंदा)। नालंदा जिले के कतरीसराय थाना क्षेत्र में 75 लाख रुपये की रंगदारी मांगने वाले गिरोह का पुलिस ने पर्दाफाश करते हुए सात आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई नालंदा पुलिस अधीक्षक भरत सोनी के निर्देश पर गठित विशेष टीम द्वारा की गई। आरोपियों ने राज्य हाईवे-71 स्थित कतरीडिह मोड़ के पास खान फर्नीचर के संचालक से अज्ञात मोबाइल नंबर से फोन कर 75 लाख रुपये की रंगदारी मांगी थी। रकम नहीं देने पर जान से मारने की धमकी देते हुए 'डेमो' दिखाने की भी बात कही गई थी।

व्यवसायी द्वारा कतरीसराय थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराए जाने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए विशेष टीम का गठन किया। टीम का नेतृत्व राजगीर डीएसपी सुनील कुमार सिंह कर रहे थे। टीम में गिरियक इंस्पेक्टर सुमंत कुमार, कतरीसराय थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार तथा जिला आसूचना इकाई के पदाधिकारी शामिल थे।तकनीकी अनुसंधान और मोबाइल लोकेशनके आधार पर पुलिस ने लगातार छापेमारी अभियान चलाया। इसी क्रम में गुरुवार को बिहार थाना और मानपुर थाना क्षेत्र के विभिन्न स्थानों से सात आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में रौशन कुमार (अम्बर चौक, नालंदा), नीरज उर्फ मनीष पासवान और रविशंकर कुमार उर्फ रवि (नवाजी बिगहा, मानपुर), आर्यन शर्मा उर्फ रिशु (बंगाली टोला, शिक्षक कॉलोनी, बिहारशरीफ), राहुल कुमार उर्फ विवेक प्रियदर्शी (सोहन कुआं, लहेरी थाना), गुड्डू कुमार (खरीदी बिगहा, नवादा) तथा प्रेरित कुमार (सुंदर नगर, कोडरमा, झारखंड, वर्तमान में बिहारशरीफ) शामिल हैं।छापेमारी के दौरान पुलिस ने आठ एंड्रॉयड स्मार्टफोन, एक कीपैड मोबाइल, एक सिम कार्ड, तीन आधार कार्ड और एक कागज बरामद किया, जिसमें पीड़ित का मोबाइल नंबर लिखा था। कार्रवाई में सह अंचल निरीक्षक संजय कुमार, राजगीर व पावापुरी थानाध्यक्ष, कतरीसराय अपर थानाध्यक्ष आदित्य कुमार, पीएसआई मुकुंद भारती सहित डीआईयू और रिजर्व शस्त्र बल के जवान शामिल थे। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश में छापेमारी कर रही है।

कल्याण बिगहा थाना की नई थानाध्यक्ष बनीं निशा भारती, पदभार संभालते ही बताई प्राथमिकताएं

हरिओम कुमार

हरनौत (अपना नालंदा)। नालंदा जिले के कल्याण बिगहा थाना में शुक्रवार को नई थानाध्यक्ष निशा भारती ने विधिवत पदभार ग्रहण किया। पदभार संभालते ही उन्होंने क्षेत्र में अपराध नियंत्रण, विधि व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने तथा आम जनता की सुरक्षा को अपनी पहली प्राथमिकता बताया। जानकारी के अनुसार प्रशासनिक फेरबदल के तहत नालंदा पुलिस अधीक्षक द्वारा पूर्व थानाध्यक्ष पुअनि राजकुमार चौधरी का स्थानांतरण भागन बिगहा थाना कर दिया गया, जबकि लहेरी थाना में तैनात पुअनि निशा भारती को कल्याण बिगहा थाना की जिम्मेदारी सौंपी गई।29 वर्षीय निशा भारती मूल रूप से अरवल जिले के कुर्था थाना क्षेत्र की निवासी हैं। पदभार ग्रहण करने के अवसर पर थाना परिसर में जनप्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों द्वारा विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में नई थानाध्यक्ष निशा भारती का स्वागत किया गया, वहीं स्थानांतरित पुअनि राजकुमार चौधरी को भावभीनी विदाई दी गई।बराह पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि पिंटू कुमार उर्फ कमलेश तथा हरनौत नगर पंचायत के उप मुख्य पार्षद प्रतिनिधि सह समाजसेवी सुरेश सिंह ने दोनों पदाधिकारियों को फूल-माला, बुके और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। इस दौरान लोगों ने राजकुमार चौधरी के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में थाना क्षेत्र में अपराध पर प्रभावी नियंत्रण रहा।

पदभार संभालने के बाद निशा भारती ने कहा कि कल्याण बिगहा, बराह, महथवर, डिहरा, बलवापर, दलदलीचक, टाडापर सर्किल, कोलावां, सागरपर, वरूणतर, सिरसी, हसनपुर, बड़की आमर, छोटकी आमर, त्रिलोकी बिगहा, करीमचक बलवा, महमुदपुर बलवा तथा गंगा बिगहा सहित सभी क्षेत्रों में कानून व्यवस्था बनाए रखना उनकी प्राथमिकता होगी।

मौके पर थाना प्रबंधक काजल कुमारी, एसआई प्रकाश रजक, एसआई उमेश प्रसाद यादव, एएसआई धनंजय कुमार यादव, एसआई किशोर मंडल, एएसआई रविंदर प्रसाद, बबलू सिंह यादव, राहुल कुमार, जवाहर सर, सत्येंद्र उर्फ टुनटुन, राजेश, सुधीर, राजदेव, सुनील, लेनीन, उमेश, शहजाद और सूर्यभान समेत कई लोग उपस्थित थे।

हरनौत में सिंगल यूज प्लास्टिक पर छापेमारी, 20 किलो थैला जब्त, जुर्माना वसूला

हरिओम कुमार

हरनौत (अपना नालंदा)। हरनौत नगर पंचायत प्रशासन द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग के खिलाफ शुक्रवार को विशेष छापेमारी अभियान चलाया गया। इस दौरान लोगों को सिंगल यूज प्लास्टिक के इस्तेमाल से होने वाले नुकसान के प्रति जागरूक भी किया गया। अभियान का नेतृत्व सहायक लोक एवं अपशिष्ट प्रबंधन पदाधिकारी प्राची प्रसाद ने किया।

अभियान के दौरान नगर क्षेत्र के बीच बाजार, रांची रोड और गोनावां रोड में दुकानों व ठेला-खोमचा वालों की जांच की गई। जांच के क्रम में करीब 20 किलो सिंगल यूज प्लास्टिक के थैले जब्त किए गए। प्राची प्रसाद ने बताया कि सिंगल यूज प्लास्टिक पर्यावरण के लिए बेहद हानिकारक है और इसके उपयोग पर सरकार ने एक जुलाई 2022 से ही पूर्ण प्रतिबंध लगा रखा है। जब्त किए गए प्लास्टिक को पुनर्चक्रण की प्रक्रिया के माध्यम से नष्ट कर अन्य उपयोग में लाया जाएगा।उन्होंने बताया कि जांच के दौरान कई फुटपाथी विक्रेता सड़क किनारे ठेला लगाकर सब्जी और अन्य सामान बेचते पाए गए, जिससे लोगों को आने-जाने में परेशानी होती है। ऐसे विक्रेताओं से लगभग दो हजार रुपये का जुर्माना भी वसूला गया। साथ ही उनसे काले प्लास्टिक के थैले भी जब्त किए गए।

नगर पंचायत के इस अभियान से फुटपाथी विक्रेताओं और दुकानदारों में हड़कंप मच गया। वहीं नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी सौरभ सुमन ने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी।

इस मौके पर स्वास्थ्य प्रबंधक बंटी कुमार, स्वच्छता साथी रौशन, अभिराज, जयपाल, अमरजीत और आकाश राज सहित अन्य कर्मी मौजूद थे।

मलमास मेला से पहले राजगीर के फुटपाथ दुकानदारों ने प्रशासन को सौंपा मांग पत्र

राजगीर (अपना नालंदा)। मलमास मेला 2026 को लेकर राजगीर नगर विक्रय समिति के सदस्यों ने अनुमंडल पदाधिकारी तथा नगर परिषद राजगीर के कार्यपालक पदाधिकारी को मांग पत्र सौंपकर फुटपाथ दुकानदारों की समस्याओं की ओर ध्यान आकृष्ट कराया। समिति के सदस्यों ने मांग की कि नगर परिषद में निबंधित स्थायी एवं अस्थायी फुटपाथ दुकानदारों को अतिक्रमण के नाम पर हटाया न जाए तथा मलमास मेला के अवसर पर उन्हें निःशुल्क दुकान आवंटित किया जाए, ताकि उनका रोजगार प्रभावित न हो।

इस अवसर पर नालंदा फुटपाथ दुकानदार अधिकार मंच के संरक्षक सुनील कुमार ने कहा कि पथ विक्रेता कानून अधिनियम 2014 लागू होने के बावजूद अब तक पथ विक्रेताओं के लिए स्थायी वेंडिंग जोन नहीं बनाया गया है। इसके कारण फुटपाथ दुकानदारों को हर बार मेला या अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान उजड़ना पड़ता है, जिससे उनके रोजगार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत ऋण लेने वाले कई दुकानदारों को भी अतिक्रमण के नाम पर हटा दिया जाता है, जिससे उन्हें ऋण चुकाने में भारी कठिनाई होती है। उन्होंने यह भी कहा कि कुंड जोन में वेंडिंग जोन के लिए चिह्नित जमीन पर सुधा का बूथ बना दिए जाने से दुकानदारों में आक्रोश है।

टीवीसी सदस्य रमेश कुमार पान ने कहा कि नगर विक्रय समिति के निर्णयों का समय पर अनुपालन नहीं किया जाता है और टीवीसी की बैठक भी नियमित रूप से नहीं होती। नगर परिषद द्वारा शहर को पांच जोन में बांटा गया है, लेकिन अधिकारियों की सुस्ती के कारण आज तक किसी भी जोन में वेंडिंग जोन बनाकर फुटपाथ दुकानदारों का पुनर्वास नहीं किया गया है।मौके पर राघो देवी, रेखा देवी, मनोज कुमार, राजू साव, चंदन कुमार, सुरेंद्र कुमार, सुधीर कुमार, इंद्रजीत कुमार और चंद्रजीत कुमार सहित दर्जनों फुटपाथ दुकानदार मौजूद थे।

www.apnanalanda.com

अपना नालन्दा

अपना शहर, अपना खबर

नालन्दा का नंबर 1 अखबार

अपना नालन्दा में विज्ञापन देकर
अपने व्यवसाय को दे नई पहचान

नालन्दा की जनता की आवाज

अपने क्षेत्र की खबर भेजने
ओर विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें।

9031468165
9608311251

विज्ञापन दरें (प्रथम वर्षगांठ विशेष पैकेज)
फुल पेज विज्ञापन – ₹10,000/-
हाफ पेज विज्ञापन – ₹5,000/-
क्वार्टर पेज विज्ञापन – ₹3,000/-

संपर्क करें:
apnanalandaofficial881@gmail.com
9031468165
9608311251